

धोरण : ५

हिन्दी

इकाइ : १० सीखो



फूलों से नित हँसना सीखो

भौंरों से नित गाना ।

तरु की झुकी डालियों से नित

सीखो शीश झुकाना ।



सीख हवा के झाँकों से लो

कोमल भाव बहाना ।

दूध तथा पानी से सीखो

मिलना और मिलाना ।



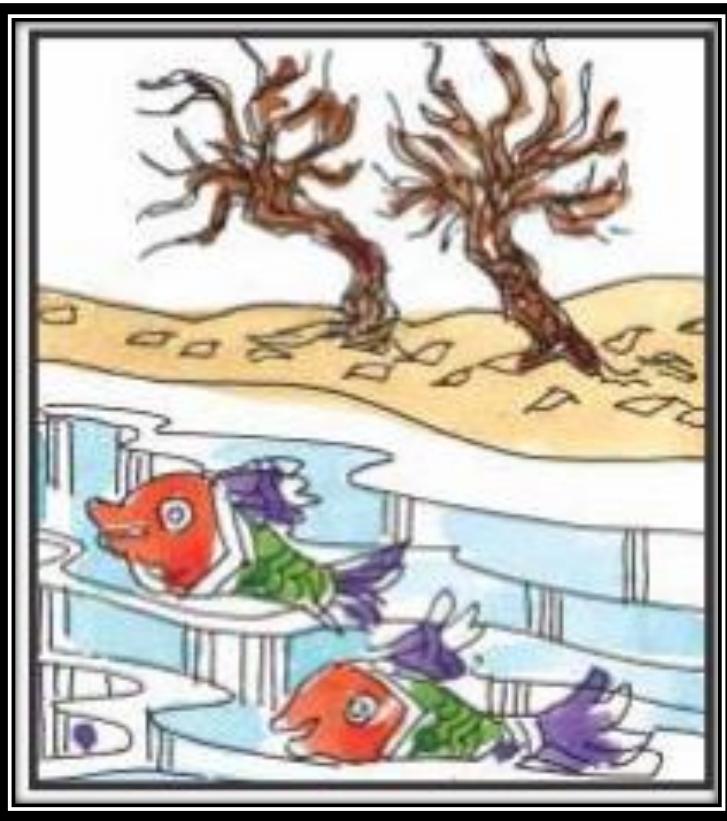
सूरज की किरणों से सीखो

जगना और जगाना ।

लता और पेड़ों से सीखो

सबको गले लगाना ।

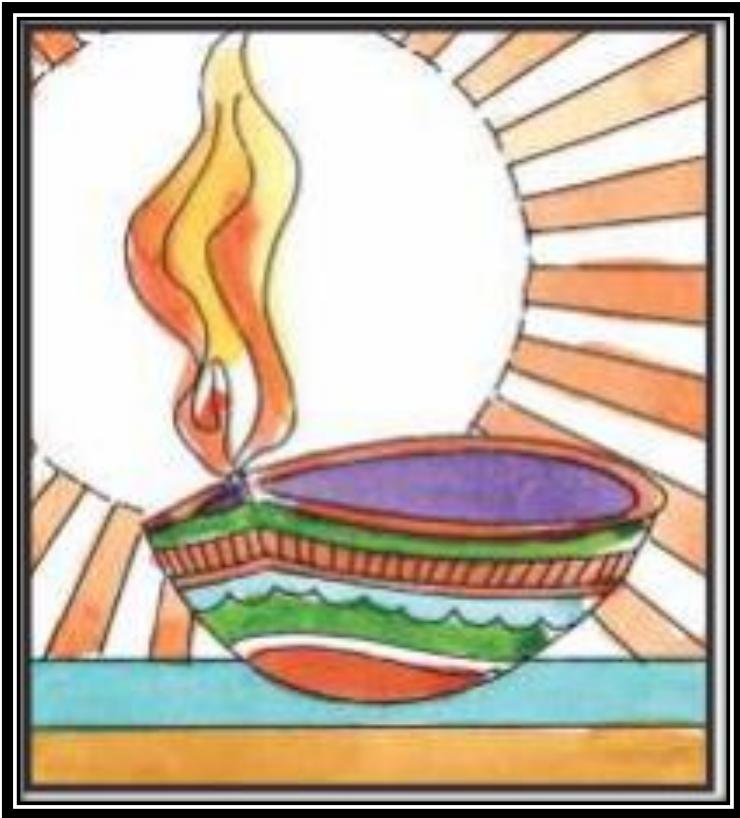


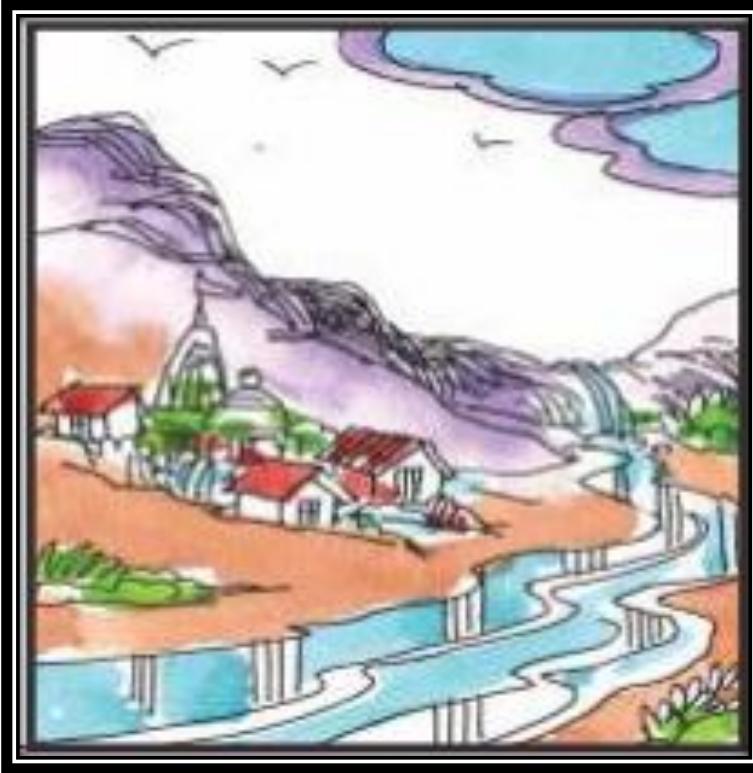


मछली से सीखो स्वदेश के
लिए तड़पकर मरना ।

पतझड़ के पेड़ों से सीखो
दुःख में धीरज धरना ।

दीपक से सीखो जितना
हो सके अँधेरा हरना ।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की
सच्ची सेवा करना ।





जलधारा से सीखो आगे

जीवन-पथ में बढ़ना ।

और धुर्ण से सीखो हरदम

ऊँचे ही पर चढ़ना ।

शब्दार्थ

फूल - पुष्प

सूरज - रवि, भानु

नित - सदा, प्रतिदिन

लता - वेल

भौंरा - मधुकर, भँवरा

पतझड़- पत्ते झड़ने की ऋतु,
पानवर (गुज)

तरु - पेड़, वृक्ष

धीरज - धैर्य, धीरता

हवा - वायु, पवन

पृथ्वी - धरा, अवनी

कोमल- नाजुक, मुलायम

जलधारा- पानी की धारा या प्रवाह

पानी - जल, नीर

मुहावरे

शीश झुकाना

- विनम्र होना।

कोमल भाव बहाना

- सुन्दर विचार प्रकट करना।

ऊँचे चढ़ना

- उन्नति करना।

अभ्यास

1. पढ़िए और बोलिए :

हँसना, भौंरा, स्वदेश, तड़पकर, अंधेरा, पृथ्वी, धुआँ, ऊँचा

2. कविता का सामूहिक और व्यक्तिगत गान कीजिए ।

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कविता में प्रकृति के किन-किन तत्वों की बात कही गई है?

✓ कविता में प्रकृति के इन तत्वों की बात कही गई है : फूल, भौंरा, तरु, हवा, दूध, पानी, सूरज, लता, पेंड, मछली, पृथ्वी, जलधारा, धुआँ आदि ।

(2) स्वयं देखे हुए प्रकृति की अन्य चीजों के नाम दीजिए ।

✓ मैंने देखी हुई प्रकृति की अन्य चीजे इस प्रकार है - नदी, झरना, सागर, मिट्टी, पशु-पक्षी, पर्वत, आकाश, चंद्र, सितारे, पत्थर आदि ।

4. किससे क्या सिंखे? सोचकर बताइए :

- | | |
|---------------------------|-------------------|
| (1) दीपक से | - अंधेरा दूर करना |
| (2) भौंरों से | - हमेशा गते रहना |
| (3) फूलों से | - हमेशा हसते रहना |
| (4) हवा से | - कोमल भाव बहाना |
| (5) दूध और पानी से | - मिलना और मिलाना |

- (6) सूरज की किरणों से - जगना और जगाना
- (7) लता और पेड़ों से - सबको गले लगाना
- (8) धुएँ से - ऊँचे चढ़ना
- (9) मछली से - स्वदेश के लिए मरना
- (10) जलधारा से - जीवन-पथ पर आगे बढ़ना
- (11) पृथ्वी से - प्राणियों की सच्ची सेवा करना
- (12) पतझड़ के पेड़ों से - दुःख में धीरज धरना

5. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार लिखिए और स्वरभार देकर पढ़िए :

जैसे -1. मैंने कल आपको यह किताब दी थी।

- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।

2. मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।

3. किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बँधा ।

किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बँधा ।

किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बँधा ।

किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बँधा ।

किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बँधा ।

4. बगीचे में तितलियाँ मड़राने लगी ।

बगीचे में तितलियाँ मड़राने लगी ।

बगीचे में तितलियाँ मड़राने लगी ।

बगीचे में तितलियाँ मड़राने लगी ।

5. मैं कल रामपुर गया था ।

मैं कल रामपुर गया था ।

मैं कल रामपुर गया था ।

मैं कल रामपुर गया था ।

[स्वाध्याय]

1. सही जोड़े मिलाइए :

अ

- (1) फूल
- (2) जलधारा
- (3) मछली
- (4) पृथ्वी
- (5) धुआँ

ब

- (1) स्वदेश के लिए तड़पकर मरना
- (2) सबको गले लगाना
- (3) हँसते रहना
- (4) उन्नति करना
- (5) जीवनपथ में आगे बढ़ना
- (6) सेवा करना
- (7) शीश छुकाना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) दुःख में हमें क्या करना चाहिए ?

✓ दुःख में हमें हिमत नहीं हारनी चाहिए। दुःख में हमें
धीरज रखनी चाहिए।

(2) सूरज की किरणों से हमें क्या सीख मिलती है ?

✓ सूरज की किरणों से हमें यह सीख मिलती है कि
हमें स्वयं जागकर दूसरों को भी जगाना चाहिए।

(3) कोमल भाव बहाने की सीख हमें कौन देता है ?

✓ कोमल भाव बहाने की सीख हमें हवा के झाँके देते हैं ।

(4) अँधेरा कौन दूर करता है ?

✓ दीपक उजाला फैलाकर अँधेरा हरता है ।

3. कविता में से निम्नलिखित भावार्थवाली पंक्तियाँ

दृढ़कर लिखिए :

- (1) सुख हो या दुःख हो, हमें हमेशा हँसते रहना चाहिए।
✓ फूलो से नित हँसना सीखो ।
- (2) हमें हर एक प्राणी की सेवा करनी चाहिए।
✓ पृथ्वी से सीखो प्राणी की सच्ची सेवा करना ।

(3) हमें सदैव प्रगति करनी चाहिए।

✓ धुएँ ऐ सीखों हरदम ऊँचे ही पर चढ़ना ।

(4) हमें सबसे हिलमिलकर रहना चाहिए।

✓ दूध तथा पानी से सीखो मिलना और मिलाना ।

4. कविता मे से संज्ञा, विशेषण और क्रियापद शब्द ढूँढकर लिखिए।

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
जैसे : सूरज फूल, भौंरा, पेंड, हवा, दूध, पानी, लता, मछली, पृथ्वी, दीपक, दुःख, धुआँ, भाव, अँधेरा	सच्चा कोमल, ऊँचा	गाना चढ़ना, गले लगाना, बढ़ना, झुकना, मिलना, जागना

5. आपने उपर्युक्त कोष्ठक में विशेषण और क्रिया के जो शब्द लिखे हैं, उनका वाक्य-प्रयोग कीजिए।

जैसे : • मोहन सच्चा बालक था।

- रीटा गीत गाती है।
- विशेषण का वाक्य-प्रयोग :
- छोटा हरी घास कोमल होती है।
- गिरनार ठँचा पर्वत है।



■ किया का वाक्य-प्रयोग :

- बंदर पेड़ पर चढ़ता है ।
- सबको प्यार से गले लगाओ ।
- मेहनती लड़का आगे बढ़ता है ।
- विनम्र लड़का बड़ो के आगे झुकता है ।
- ईद के दिन मुसलमान आपस में मिलते हैं ।
- मुर्गा स्वयं जागता है और दूसरों को जगाता है ।

THANKS



FOR WATCHING